यह निरीक्षण प्रतिवेदन जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अ धकारी पथौरागढ़ द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार कया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी कसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अ धकारी पथौरागढ़ के माह 02/2017 से 01/2018 तक के लेखा अ भलेखों पर निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री मुन्ना राम लेखापरीक्षक तथा श्री अजय कुमार सचान सहायक लेखापरीक्षा अ धकारी द्वारा श्री महेन्द्र तिवारी वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में दिनांक 12.02.2018 से 16.02.2018 तक सम्पादित कया गया।

भाग-I

1. परिचयात्मकः इस इकाई की वगत लेखापरीक्षा श्री. प्रमोद चौधरी व. लेखापरीक्षक एवं श्री अजय कुमार सचान सहा. लेखापरीक्षा अ धकारी द्वारा दिनांक 20.02.2017 से 28.02.2017 तक श्री पुष्कर वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित की गयी थी। जिसमें माह 06/2013 से 01/2017 तक के लेखा अ भलेखों की जांच की गयी थी। वर्तमान लेखापरीक्षा में माह 02/2017 से 01/2018 तक के लेखा अ भलेखों की जांच की गयी
2. (i) इकाई के क्रयाकलाप एवं भौगो लक अ धकार क्षेत्रः- जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल वभाग द्वारा प्रान्तीय रक्षक दल स्वयं सेवकों की भर्ती, सुदृढीकरण,युवा महोत्सव का आयोजन, ग्रामीण क्षेत्रों से संबन्धित खेल वधा प्रतियो गता, वकास खण्ड स्तर पर व्यावसायिक प्र शक्षण,युवक/महिला मंगल दल का गठन, पंजीकरण एवं मार्गदर्शन, सर्वश्रेष्ठ युवक/महिला मंगल दलों को ववेकानन्द यूथ एवार्ड के अंतर्गत प्रोत्साहित कया जाना, खेल मैदानों का वकास एवं स्वयं सेवकों को व भन्न वभागों में कार्य निस्पादन हेतु ड्यूटी लगायी जाती है | कार्यालय का भौगो लक अ धकार क्षेत्र समस्त पथौरागढ़ जनपद है |

(ii) (अ) वगत तीन वर्षों में बजट आवंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		आ धक्य	बचत
	स्थापना	गैर स्थापना	आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय	(+)	(-)
2015-16	-	-	73.62	65.51	208.47	203.52	_	13.06
2016-17	-	-	118.18	96.40	201.76	192.15	_	31.38
2017-18(01/2018	-	-	122.66	64.33	160.21	149.38	_	69.16

- अवशेष धनरा श वर्षांत में शासन को सम र्पत कर दी जाती है।

(ब) केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त नि ध एवं व्यय ववरण निम्नवत हैः

(धनरा श लाख रु. में)

वर्ष	योजना का नाम	प्रारम्भिक अवशेष	प्राप्त	व्यय अ धक्य (+)	बचत (-)
2014-15	शून्य				
2015-16					
2016-17 (दिसंबर तक)					

(iii) इकाई को बजट आवंटन **उत्तराखण्ड** सरकार द्वारा कया जाता है। गैर स्थापना व्यय को सम्मि लत न करते हुए इकाई **सी** श्रेणी की है। वभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत हैः

1. स चव
2. अपर स चव
3. निदेशक
4. वत्त नियंत्रक
5. संयुक्त निदेशक
6. उप निदेशक
7. सहायक निदेशक
8. सहायक समादेष्टा
9. सहायक लेखा धकारी
10. वरिष्ठ प्रशासनिक अ धकारी

1- जनपद स्तर

1-जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अ धकारी

2-व्यायाम प्र शक्षक

3-वरिष्ठ प्रशासनिक अ धकारी / मुख्य सहायक

4-वरिष्ठ सहायक / कनिष्ठ सहायक

(iv) लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा व धः लेखापरीक्षा में जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अ धकारी पथौरागढ़ को आच्छादित कया गया। यह निरीक्षण प्रतिवेदन जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अ धकारी पथौरागढ़ की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह 03/2017 को वस्तृत जांच हेतु चयनित कया गया।

(V) लेखापरीक्षा भारत के सं वधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्ते) अ धनियम, 1971 (डी पी सी एक्ट, 1971) की धारा 13 लेखा तथा लेखापरीक्षा वनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

STAN

प्रस्तर- 1:- वत्तीय नियमों की अवहेलना कर निष्प्रयोज्य सामग्री घो षत न कया जाना एवं नीलामी न कया जाना

सामान्य वत्तीय नियम 192 के अनुसार वर्ष मे कम से कम एक बार भंडार का भौतिक सत्यापन कया जाना चाहिए, एवं नियम 196 और 197 के अनुसार अनुपयोगी सामग्री को निष्प्रयोज्य घो षत कर उसकी यथा शीघ्र नीलामी की जानी चाहिए, ता क उक्त सामग्री को और मूल्य ह्रास से बचाया जा सके |

इकाई की भंडार पंजिका की जांच मे पाया गया की वर्ष 2007-08 मे अन्तिम बार भंडार का भौतिक सत्यापन कया गया था तथा भौतिक सत्यापन मे अनुपयोगी साम ग्रयों को निष्प्रोज्य घो षत भी कया गया था| आगे अ भलेखों की जांच मे पाया गया क इकाई द्वारा उक्त निष्प्रोज्य साम ग्रयों को सूचीबद्ध नहीं कया गया और न ही उनकी नीलामी क गई| जांच मे यह भी पाया गया क 2007-08 के पश्चात अब तक भंडार का भौतिक सत्यापन नही कया गया फलस्वरूप निष्प्रयोज्य सामग्री की घोषणा नहीं हो पाई एवं नीलामी नहीं की गई| जिससे अप्रयुक्त सामग्री के मूल्य में निरंतर मूल्य ह्रास हो रहा है एवं निष्प्रयोज्य सामग्री की नीलामी से प्राप्त होने वाली बिभागीय प्राप्तियों की हानि हो रही है | जांच मे यह भी प्रकाश मे आया क संब धत पटल सहायक का तबादला होने पर मात्र उपयोगी सामाग्री को ही हस्तगत कया गया एवं अनुपयोगी सामग्री का कोई लेखा जोखा नहीं रखा गया।

लेखापरीक्षा मे इं गत कए जाने पर इकाई ने उत्तर दिया क निष्प्रोज्य सामग्री क सूची शीघ्र तैयार कर नीलामी की प्र क्रया पूरी की जाएगी | उत्तर स्वीकार्य नही है क्यो क वगत आठ वर्षो से अनुपयोगी सामग्री के निस्तारण मे घोर उदासीनता बरती गई और तत्संबं धत नियमों की अनदेखी कर निष्प्रयोज्य सामग्री का मूल्य ह्रास होने दिया गया |

अत: निष्प्रयोज्य सामग्री के नियमानुसार उ चत निस्तारण का प्रकरण संज्ञान मे लाया जाता है |

<u>भाग-III</u>

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या
11/2013-14	शून्य	02 एवं **03**
159/2016-17	शून्य	01,02,03,04

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
इकाई ने अवगत कराया कि पुराने प्रस्तरों की अनुपालन आख्या सीधे कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा), उत्तराखण्ड देहरादून को प्रेशित कर दी जायेगी।				

भाग-IV

इकाई के सर्वोत्तम कार्य

शून्य

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अव ध में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अ भलेख एवं सूचनांए उपलब्ध कराने हेतु जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अ धकारी पथौरागढ़ तथा उनके अ धकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है। तथा प लेखापरीक्षा में निम्न ल खत अ भलेख प्रस्तुत नहीं कये गयेः शून्य

2. सतत् अनिय मतताएः
   (i) Nil

3. लेखापरीक्षा अव ध में निम्न ल खत अ धकारियों द्वारा कार्यालयध्यक्ष का कार्यभार वहन कया गया।

क्र0सं0	नाम	पदनाम	अव ध
1.	श्री डी.सी.पाण्डेय	जि.यु.क.एवं प्रा.र.द.अ ध.	01/2/2017 से 28/2/2017 तक
2.	श्री बी.एस.निर्खुया	जि.यु.क.एवं प्रा.र.द.अ ध.	01/3//2017 से 06/10/2017 तक
3.	श्री एस पी.आर्य	जि.यु.क.एवं प्रा.र.द.अ ध.	07/10/2017 से वर्तमान तक

लघु एवं प्र क्रयात्मक अनिय मतताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मि लत कर एक प्रति जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अ धकारी पथौरागढ़ को इस आशय से प्रे षत कर दी जायेगी क अनुपालन आख्या पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर सीधे वरिष्ठ उप महालेखाकार/उप महालेखाकार (सामाजिक क्षेत्र) को प्रे षत कर दी जांय।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी/सा.क्षे.